ए.पी.जे. इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट के फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम का चौथा दिन

'बागवानी, भूमि विकास, सरकारी धन, सब्जियों व विभिन्न स्टार्टअप आइडियाज पर हुई चर्चा'

जालंधर, 26 मई (विनीत): ए.पी.जे. इंस्टीच्यूट ऑफ मैनेजमैंट एंड इंजीनियरिंग टैक्नीकल कैंपस में सफलतापूर्वक चल रहे 5 दिवसीय फैकल्टी डिवैल्पमैंट प्रोग्राम के चौथे दिन की शुरुआत डा. हेमन्त कुमार विनायक (एसोसिएट प्रौफैसर, निटर, चंडीगढ़) के सैशन से हुई।

उन्होंने युवा एंटरप्रीन्योर्स को सहायता प्रदान करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा विकसित किए जा रहे विभिन्न इन्क्यूबेशन सैंटर व योजनाओं की जानकारी देते हुए विभिन्न स्टार्टअप आइडिया व उनकी प्रक्रिया को भी सभी के साथ सांझा किया और बताया कि कैसे उन्हें आसानी से सीमित संसाधनों व विभिन्न सबसिडी के रूप में सरकारी सहायता के साथ स्थापित किया जा सकता है।

दूसरे सत्र की अध्यक्षता डा. श्रीकांत साहू (प्रिंसीपल, नार्दर्न रिजनल डैमोन्स्ट्रेशन एंड ट्रेनिंग सैंटर, नैशनल डेयरी डिवैल्पमैंट बोर्ड) ने की। उन्होंने बताया कि दूध बेचने के साथ-साथ गाय के गोबर से अतिरिक्त कमाई भी की जा सकती है।

डा. सुखदीप सिंह हुंदल (डिप्टी डायरैक्टर, हार्टिकल्चर, कपूरथला-कम-स्टेट नोडल आफिसर कुकुरबाईट्स एंड किचन गार्डनिंग, पंजाब) ने चौथे दिन के अंतिम सत्र की अध्यक्षता करते हुए विभिन्न बागवानी, भूमि विकास, सरकारी धन व सब्जियों सहित फलों व अन्य बागवानी उत्पादों के उत्पादन से संबंधित सबसिडी संबंधी चर्चा की।

वक्ताओं को स्मृति चिन्ह भेंट करते इंस्टीच्यूट के डायरैक्टर डा. राजेश बग्गा व फैकल्टी स्टाफ। (जंक्र)

इंस्टीच्यूट के डायरैक्टर डा. राजेश बग्गा ने विभिन्न योजनाओं व युवा एंटरप्रीन्यौर्स के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध धन पर उनके विशेषज्ञ विचारों के लिए सभी वक्ताओं का आभार व्यक्त किया।

Punjab Kesari 27May2023

10:09 am ✓